Roll. No. : .....

AECC-S-101

First Semester Examination, 2024 (June)

[संस्कृत भाषा एवं साहित्य]

Time : 2 Hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट– यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (2) खण्डों (क) तथा (ख) में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट– खण्ड (क) में पाँच (5) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। **2×26=52**

1. भाषा के दिव्योत्पत्ति एवं धातु सिद्धान्त को समझाइये।

2. आचार्य चाणक्य का व्यक्तित्व एवं कृतित्व का प्रतिपादन कीजिये।

3. स्वर एवं व्यंजन वर्णों के उच्चारण स्थानों का उल्लेख कीजिये।

4. कारक प्रकरण की महत्ता का प्रतिपादन कीजिये।

5. 1 से 10 तक की संख्याओं को संस्कृत भाषा में तीनों लिंगों में लिखिए।

SECTION—B

खण्ड–ख

(Short Answer Type Questions)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट– खण्ड (ख) में आठ (8) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। **4 × 12 = 48**

1. भाषा के ध्वन्यानुकरण सिद्धान्त को परिभाषित कीजिये।

2. तिङ् प्रत्याहार में समाहित 18 प्रत्ययों को लिखिये।

3. वाह्य प्रयत्न कौन–कौन हैं?

4. द्वितीया कारक के किन्हीं तीन सूत्रों को प्रदर्शित कीजिये।

5. निम्नलिखित संख्याओं का संस्कृत अनुवाद कीजिये–

   272, 89, 43250, 333

6. गम् धातु के लङ् लकार एवं लृट् लकार के रूप लिखिये।

7. निम्नलिखित छन्दों के लक्षणों को बताइये–

वंशस्थ, स्रग्धरा

8. संस्कृत गद्यकाव्य के प्रमुख रचनाकारों का उल्लेख करते हुए उनके कृतियों की विशेषतायें बताइये।

****

Roll. No. : .....

AECC-S-101

First Semester Examination, 2024 (June)

[संस्कृत भाषा एवं साहित्य]

Time : 2 Hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट– यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (2) खण्डों (क) तथा (ख) में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट– खण्ड (क) में पाँच (5) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। **2×26=52**

1. भाषा के दिव्योत्पत्ति एवं धातु सिद्धान्त को समझाइये।

2. आचार्य चाणक्य का व्यक्तित्व एवं कृतित्व का प्रतिपादन कीजिये।

3. स्वर एवं व्यंजन वर्णों के उच्चारण स्थानों का उल्लेख कीजिये।

4. कारक प्रकरण की महत्ता का प्रतिपादन कीजिये।

5. 1 से 10 तक की संख्याओं को संस्कृत भाषा में तीनों लिंगों में लिखिए।

SECTION—B

खण्ड–ख

(Short Answer Type Questions)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट– खण्ड (ख) में आठ (8) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। **4 × 12 = 48**

1. भाषा के ध्वन्यानुकरण सिद्धान्त को परिभाषित कीजिये।

2. तिङ् प्रत्याहार में समाहित 18 प्रत्ययों को लिखिये।

3. वाह्य प्रयत्न कौन–कौन हैं?

4. द्वितीया कारक के किन्हीं तीन सूत्रों को प्रदर्शित कीजिये।

5. निम्नलिखित संख्याओं का संस्कृत अनुवाद कीजिये–

   272, 89, 43250, 333

6. गम् धातु के लङ् लकार एवं लृट् लकार के रूप लिखिये।

7. निम्नलिखित छन्दों के लक्षणों को बताइये–

वंशस्थ, स्रग्धरा

8. संस्कृत गद्यकाव्य के प्रमुख रचनाकारों का उल्लेख करते हुए उनके कृतियों की विशेषतायें बताइये।

****

Roll. No. : .....

AECC-S-101

First Semester Examination, 2024 (June)

[संस्कृत भाषा एवं साहित्य]

Time : 2 Hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट– यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (2) खण्डों (क) तथा (ख) में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट– खण्ड (क) में पाँच (5) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। **2×26=52**

1. भाषा के दिव्योत्पत्ति एवं धातु सिद्धान्त को समझाइये।

2. आचार्य चाणक्य का व्यक्तित्व एवं कृतित्व का प्रतिपादन कीजिये।

3. स्वर एवं व्यंजन वर्णों के उच्चारण स्थानों का उल्लेख कीजिये।

4. कारक प्रकरण की महत्ता का प्रतिपादन कीजिये।

5. 1 से 10 तक की संख्याओं को संस्कृत भाषा में तीनों लिंगों में लिखिए।

SECTION—B

खण्ड–ख

(Short Answer Type Questions)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट– खण्ड (ख) में आठ (8) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। **4 × 12 = 48**

1. भाषा के ध्वन्यानुकरण सिद्धान्त को परिभाषित कीजिये।

2. तिङ् प्रत्याहार में समाहित 18 प्रत्ययों को लिखिये।

3. वाह्य प्रयत्न कौन–कौन हैं?

4. द्वितीया कारक के किन्हीं तीन सूत्रों को प्रदर्शित कीजिये।

5. निम्नलिखित संख्याओं का संस्कृत अनुवाद कीजिये–

   272, 89, 43250, 333

6. गम् धातु के लङ् लकार एवं लृट् लकार के रूप लिखिये।

7. निम्नलिखित छन्दों के लक्षणों को बताइये–

वंशस्थ, स्रग्धरा

8. संस्कृत गद्यकाव्य के प्रमुख रचनाकारों का उल्लेख करते हुए उनके कृतियों की विशेषतायें बताइये।

****